**संमती पत्र**

प्रस्तुत संमती पत्र आज रोजी तारीख ---------------माहे ----------सन --------

या दिवशीखालील प्रमाणे लिहून ठेवले आहे

श्री.---------------------------------, वय ------ )

धंदा ------------------------------------- ) संमती पत्र

रा. ------------------------------------------- ) लिहुन घेणार

---------------------------------------------- ) (एकपक्षी )

---------------------------------------------- )

श्री.---------------------------------, वय ------ )

धंदा ------------------------------------- ) संमती पत्र

रा. ---------------------------------------------- ) लिहुन देणार

---------------------------------------------- ) (दुसरेपक्षी)

---------------------------------------------- )

दुसरेपक्षी संमती पत्र लिहुन देतात की ,........

मौजे तळवली तर्फे सोनाळे, तालुका भिवंडी,जिल्हा ठाणे गावाची रेव्हेन्यु रेकॉर्ड मध्ये खालील प्रमाणे वर्णन असलेली मिळकत.

**मौजे तळवली तर्फे सोनाळे, तालुका भिवंडी,जिल्हा ठाणे.**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| सव्हे नं. | हिस्सा नं | क्षेत्र  हे.आर.पै. | आकार  रू. पै |
|  |  |  |  |

(एकूण क्षेत्र अक्षरी ------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------मात्र)

वर वर्णन केलली मिळकत श्री --------------------------------------------------, वय-------------------,पत्ता: ------------------------------------------------------------------------------;यांनी श्री ----------------------------------------- ,एकपक्षी , यांना दस्त क्रमांक------------दिनांक :--------------- व कुलमुखत्यार पत्र क्रमांक --------------------- दिनांक ------------ अन्वये कायमची विक्री केलेली असून सदरील दस्तास तथा कुलमुखत्यार पत्रास माझी समंती आहे.

सदर मिळकतीचे एकपक्षी यापुढे पुर्ण मालकझाले असून दुसरेपक्षी अगर त्यांचे इस्टेट वारस यांचा किंवा इतर कोणाचाही सदर मिळकतीवर कोणत्याही प्रकारचा हक्क, हितसंबंध अथवा दावा बिलकुल राहिलेला नाही.

सदर मिळकत एकपक्षी यांनी त्यांच्या मर्जीप्रमाणे, पुत्रपौत्रादी, वंशपरंपरेने उत्पन्न घेउन निरंतर भेग घ्यावा व आपल्य सोईप्रमाणे, मर्जीप्रमाणे,सदर मिळकतीचे एकपक्षी त्यांच्या वहिवाटीत अगर मर्जीनूसार वापर करण्याचा असल्यास त्यानां कोणी दुसरेपक्षी यांच्या संदर्भात हरकत केल्यास त्याचे निवारण दुसरेपक्षी व त्यांचे इस्टेट वारस करतील व एकपक्षी यांना तोशिष लागू देणार नाहीत.

हे संमती पत्र दूसरेपक्षी यांचे वालीवारस,एक्झ्यिुटर्स,ॲडमिनिस्ट्रेटर्स असाइन्स, व इतर हक्क संबंधी यांचेवर संपुर्णपणे जसेच्यातसे बंधनकारक आहे व यापुढेही राहील.

येणप्रमाणे वर वर्णन केलेल्या मिळकतीचे संमंती पत्र दुसेपक्षी त्यानी राजीखुशीने,समजाउन घेउन,वाचून कोणत्याही दडपणाखाली न येता स्वसंतोषाने लिहून दिले आहे.

त्यावर दुसरेपक्षी आज रोजी मुक्काम --------- येथे दिनांक -----------------रोजी खालील साक्षीदारांसमक्ष सही करून हा लेख मे.सबरजिस्ट्रार कार्यालयात पुर्ण करून देत आहेत.

ठिकाण :भिवंडी

दिनांक : / /20

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| लिहून घेणार  एकपक्षी: | सही  PAN NO. ( ) | फ़ोटो | डाव्या हाताचा ॳगठॎ |
| लिहून देणार  दुसरेपक्षी : | PAN NO. ( ) |  |  |
| साक्षीदार :  1) |  |  |  |
| 2) |  |  |  |